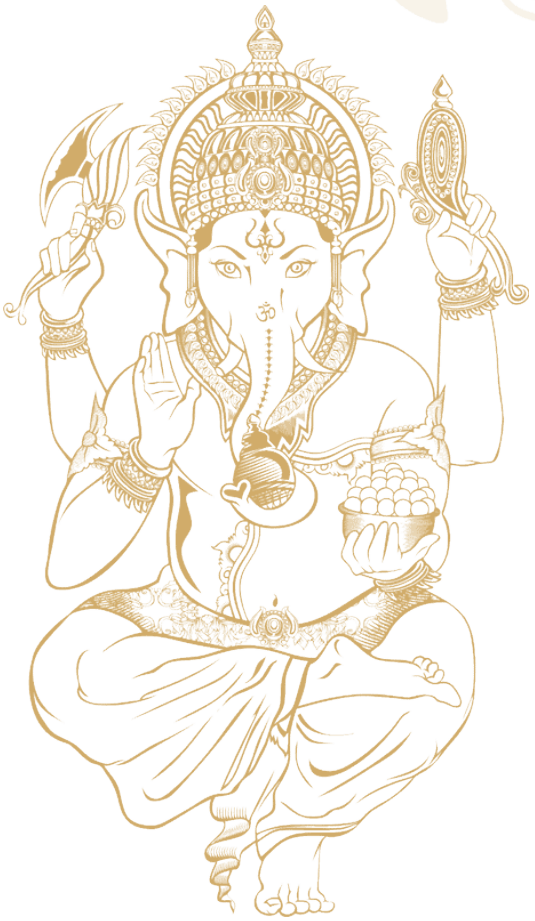

Ishaan Aviraaj

04 Oct 2024

03:29 AM

Bilaspur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121568304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/10/2024**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:29:00 घंटे**
इष्ट	52:57:29 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:18:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:06:12 घंटे
वेलान्तर	00:11:03 घंटे
साम्पातिक काल	03:58:34 घंटे
सूर्योदय	06:18:00 घंटे
सूर्यास्त	18:05:00 घंटे
दिनमान	11:47:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:58:34 कन्या
लग्न के अंश	09:44:25 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:44:25	307:10:45	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			कन्या	16:58:34	00:59:06	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			कन्या	29:12:22	11:48:21	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	22:09:38	00:30:47	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	कन्या	19:18:37	01:43:57	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु			वृष	27:05:15	00:01:05	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	18:57:02	01:12:55	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	19:58:00	00:03:49	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	12:26:41	00:00:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	12:26:41	00:00:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	02:37:54	00:01:31	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		मीन	03:57:34	00:01:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो	व		मक	05:27:19	00:00:14	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			वृष	07:32:47	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:08

लग्न-चलित

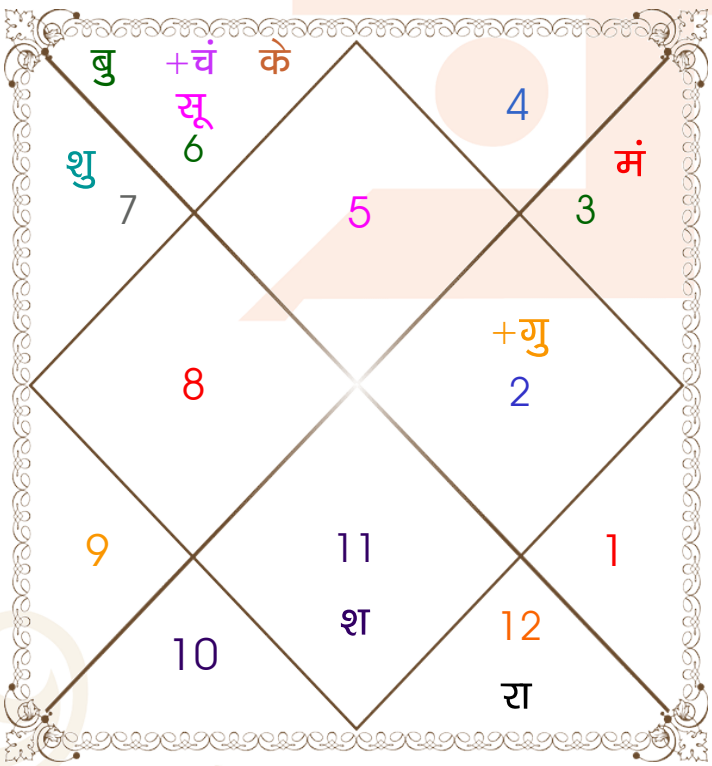

चन्द्र कुंडली

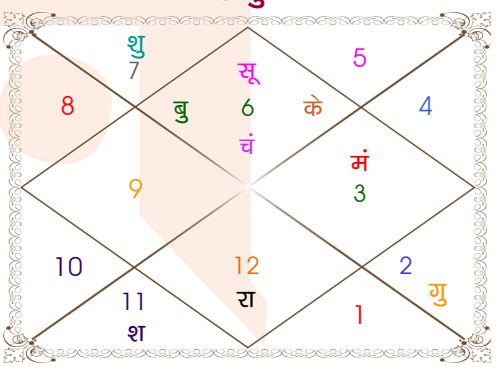

नवमांश कुंडली

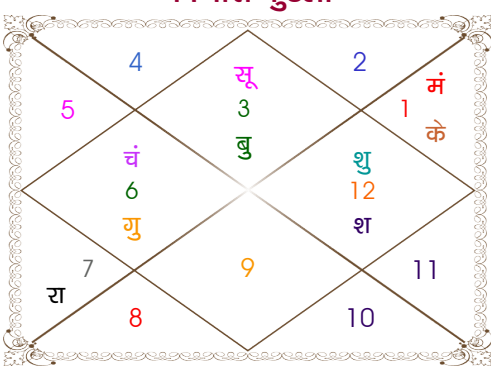

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 11 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/10/2024		03/09/2028		04/09/2046		04/09/2062		04/09/2081	
03/09/2028		04/09/2046		04/09/2062		04/09/2081		04/09/2098	
	00/00/0000	राहु	17/05/2031	गुरु	22/10/2048	शनि	07/09/2065	बुध	31/01/2084
	00/00/0000	गुरु	10/10/2033	शनि	05/05/2051	बुध	17/05/2068	केतु	27/01/2085
	04/10/2024	शनि	16/08/2036	बुध	10/08/2053	केतु	26/06/2069	शुक्र	28/11/2087
शनि	05/03/2025	बुध	05/03/2039	केतु	17/07/2054	शुक्र	25/08/2072	सूर्य	04/10/2088
बुध	02/03/2026	केतु	23/03/2040	शुक्र	17/03/2057	सूर्य	07/08/2073	चंद्र	05/03/2090
केतु	29/07/2026	शुक्र	24/03/2043	सूर्य	03/01/2058	चंद्र	08/03/2075	मंगल	02/03/2091
शुक्र	28/09/2027	सूर्य	15/02/2044	चंद्र	05/05/2059	मंगल	16/04/2076	राहु	19/09/2093
सूर्य	03/02/2028	चंद्र	16/08/2045	मंगल	10/04/2060	राहु	21/02/2079	गुरु	26/12/2095
चंद्र	03/09/2028	मंगल	04/09/2046	राहु	04/09/2062	गुरु	04/09/2081	शनि	04/09/2098

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/09/2098		05/09/2105		05/09/2125		05/09/2131		05/09/2141	
05/09/2105		05/09/2125		05/09/2131		05/09/2141		00/00/0000	
केतु	31/01/2099	शुक्र	04/01/2109	सूर्य	23/12/2125	चंद्र	05/07/2132	मंगल	01/02/2142
शुक्र	02/04/2100	सूर्य	04/01/2110	चंद्र	24/06/2126	मंगल	03/02/2133	राहु	19/02/2143
सूर्य	08/08/2100	चंद्र	05/09/2111	मंगल	30/10/2126	राहु	05/08/2134	गुरु	26/01/2144
चंद्र	09/03/2101	मंगल	04/11/2112	राहु	23/09/2127	गुरु	05/12/2135	शनि	05/10/2144
मंगल	05/08/2101	राहु	05/11/2115	गुरु	11/07/2128	शनि	06/07/2137		00/00/0000
राहु	24/08/2102	गुरु	06/07/2118	शनि	23/06/2129	बुध	05/12/2138		00/00/0000
गुरु	31/07/2103	शनि	05/09/2121	बुध	30/04/2130	केतु	06/07/2139		00/00/0000
शनि	07/09/2104	बुध	05/07/2124	केतु	05/09/2130	शुक्र	06/03/2141		00/00/0000
बुध	05/09/2105	केतु	05/09/2125	शुक्र	05/09/2131	सूर्य	05/09/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 10 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।